https://www.jmi.ac.in

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के प्रोफ़ेसर तौकीर अहमद को प्रतिष्ठित डॉ. एस. एस. देशपांडे राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI), नई दिल्ली में केमिस्ट्री के प्रोफ़ेसर, प्रोफ़ेसर तौकीर अहमद को गवर्नमेंट होल्कर (मॉडल, ऑटोनॉमस) साइंस कॉलेज, इंदौर द्वारा वर्ष 2024 के प्रतिष्ठित डॉ. एस. एस. देशपांडे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें केमिकल साइंसेज (रसायन विज्ञान) के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट, अग्रणी और प्रभावशाली योगदान, विशिष्ट शैक्षणिक उत्कृष्टता और रिसर्च व शिक्षा में नवाचार के लिए दिया गया है। केमिस्ट्री के क्षेत्र में किसी विशिष्ट रिसर्चर को हर साल दिए जाने वाले इस पुरस्कार में ₹50,000 की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और एक स्मृति चिन्ह शामिल है।

जाने-माने शिक्षाविद और वैज्ञानिक डॉ. एस. एस. देशपांडे की याद में शुरू किया गया यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार केमिकल साइंसेज के क्षेत्र में एक खास सम्मान माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में, यह पुरस्कार भारत के प्रमुख संस्थानों - जैसे IITs, IISc, JNU, NCL और अन्य बेहतरीन संस्थानों - से जुड़े जाने-माने रिसर्चर्स और शिक्षाविदों को दिया गया है। पहले पुरस्कार पाने वालों की खास सूची में पद्म श्री प्रोफ़ेसर टी. प्रदीप (IIT मद्रास), प्रोफ़ेसर के. के. पंत (IIT दिल्ली, डायरेक्टर IIT रुड़की), प्रोफ़ेसर दिनेश मोहन (JNU), प्रोफ़ेसर रजनीश मिश्रा (IIT इंदौर), प्रोफ़ेसर उमेश क्षीरसागर (IIT इंदौर), प्रोफ़ेसर संजय के. सिंह (IIT इंदौर) और अन्य मशहूर विद्वान शामिल हैं।

प्रोफ़ेसर तौकीर अहमद नैनोकैटालिसिस, हेटेरोजेनियस कैटालिसिस, फोटोकैटालिसिस, इलेक्ट्रोकैटालिसिस और एडवांस्ड एनर्जी मैटेरियल्स क्षेत्रों में विशिष्ट रिसर्चर हैं। उनका विशेष फोकस सस्टेनेबल ग्रीन एनर्जी और पर्यावरण से जुड़े कामों के लिए नए मैटेरियल्स और कैटालिटिक सिस्टम विकसित करने पर है। उनकी रिसर्च ने हाइड्रोजन इवोल्यूशन, कार्बन डाइऑक्साइड रिडक्शन और नाइट्रोजन रिडक्शन जैसे उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें मल्टीफंक्शनल हेटेरोस्ट्रक्चर और सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजी पर जोर दिया गया है।

प्रोफ़ेसर अहमद ने 17 Ph.D. छात्रों का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कई स्कॉलर्स और 93 पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों के साथ मिलकर कई रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर काम किया है और कुल ~980 के इम्पैक्ट फ़ैक्टर वाले 251 रिसर्च पेपर पब्लिश किए हैं। उनके रिसर्च को 12,000 से ज़्यादा बार साइट किया गया है, और

उनका h-इंडेक्स 66 तथा i10-इंडेक्स 208 है। उन्होंने किताबें भी लिखी हैं और उनके नाम एक पेटेंट भी है। इसके अलावा, वे 200 से ज़्यादा इंटरनेशनल जर्नल्स के लिए रिव्यूअर रहे हैं और देश-विदेश में कई इनवाइटेड लेक्चर भी दिए हैं।

कई प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले प्रो. अहमद को भारत के राष्ट्रपति से 'इंस्पायर्ड टीचर अवॉर्ड', CRSI/MRSI/SMC/ISCAS मेडल, स्प्रिंगर नेचर 'एडिटर ऑफ़ डिस्टिंक्शन अवॉर्ड', DST-DFG अवॉर्ड और 'डिस्टिंग्विश्ड साइंटिस्ट अवॉर्ड' जैसे सम्मान मिले हैं। उन्हें लगातार कई सालों तक दुनिया के टॉप 2% वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल किया गया है और वे रॉयल सोसाइटी ऑफ़ केमिस्ट्री (FRSC), UK और इंडियन केमिकल सोसाइटी (FICS) जैसी प्रतिष्ठित प्रोफेशनल संस्थाओं के फ़ेलो चुने गए हैं।

प्रो. तौकीर अहमद को 'डॉ. एस. एस. देशपांडे नेशनल अवॉर्ड 2024' मिलना केमिकल साइंसेज़ में उनके लगातार योगदान की एक बड़ी पहचान है। इससे रिसर्च, इनोवेशन और हायर एजुकेशन में जामिया मिलिया इस्लामिया की बेहतरीन परंपरा को और भी सम्मान मिलता है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी